NIT, IIIT, NITTTR, IISER

Dr. Mukesh Pancholi

NIT (National Institutes of Technology) (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) –

स्थापना – 15 अगस्त, 2007

NIT विज्ञान व अभियांत्रिकी शिक्षा के लिए एक स्वायत्त व सार्वजनिक संस्थान है व दुनिया के प्रौद्योगिकी के सबसे सम्मानित संस्थानों में से एक है।

ये संस्थान राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अधिनियम, 2007 द्वारा शासित होते है, इन्हें राष्ट्रीय महत्त्व की संस्थाएं घोषित किया गया और प्रशासन के शक्तियों, कर्त्तव्य, ढांचे इसके अंतर्गत तैयार किया गया है।

Dr. Mukesh Pancholi

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, एक्ट 2007 31 संस्थानों को सूचीबद्ध करता है। प्रत्येक NIT स्वायत्त है जो एक सामान्य परिषद् (NIT परिषद्) से आपस में जुड़े है। यह परिषद् इन सब का प्रशासन व देश-रेख करता है।

- सभी NIT भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है।
- NIT Council के पदेन अध्यक्ष MHRD, मंत्री होते है।
- यह संस्थान भारत के इंजीनियरिंग College में Top Ranked संस्थान है। इनकी स्वीकृति दर 1 से 2% ही है।
- इनका शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है।
- 2019 में 31 संस्थान है।

Dr. Mukesh Pancholi

इतिहास –

भारत में 2nd five year plan (1956-60) के दौरान कई औद्योगिक परियोजनाओं पर विचार किया। इन परियोजनाओं की मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों की आपूर्ति के लिए प्रत्येक प्रमुख राज्य में एक प्रति दर से इंजीनियर कॉलेज (REC) शुरु करने का निर्णय लिया।

- देश में प्रचलित मानकों के आधार पर ये बड़े आकार के संस्थान थे।

Dr. Mukesh Panchal

- 2002 में MHRD, Minister मुरली मनोहर जोशी ने विश्व स्तर पर सम्मानित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IIT's) को बनाने में भारी लागत व बुनियादी ढांचे के कारण, RECs को National Institute of Technology (NIT) के रूप में Upgrade करने का निर्णय लिया। Total – 17 as NIT
- केन्द्रीय सरकार इन्हें वित्त पोषित करती है, 2002 में सभी REC NITs बन गए।
- 1998 में R.A. माशेलकर की अध्यक्षता में गठित समिति "High Powered Review Committee" ने अपनी रिपोर्ट "Strategic Road Map for Academic Excellency of Future REC" प्रस्तुत की।

Dr. Mukesh Panchal

- 2004 में MHRD ने पटना (बिहार इंजीनियरिंग कॉलेज) (1886 में स्थापित, 110 वर्षीय कॉलेज), रायपुर (Government Engineering College) व अगरतला, त्रिपुरा इंजीनियरिंग कॉलेज में स्थित तीनों को NIT का दर्जा दिया।
- 21वीं सदी का पहला एकदम नया NIT इम्फाल में स्थापित करने की योजना बनाई गई।
- 2010 में सरकार ने 10 नए NIT खोलने की घोषणा उन राज्यों में की जिनमें अब तक NIT नहीं थे।
- भारत की संसद में 2007 में NIT, Act पारित किया, गया जो कि 15 अगस्त, 2007 से प्रभावी हुआ।

Dr. Mukesh Panchal

- इसे 15 जून को राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त हुई। यह अधिनियम इन्हें राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थानों के रूप में स्थापित करता है।

अन्य –

- NIT स्वायत्त रूप में कार्य करते है अर्थात् ये स्वयं पाठ्यक्रम का निर्माण कर सकते है।
- वर्तमान में ये - इलाहाबाद, भोपाल, दुर्गापुर, कालीकट, हमीरपुर, जयपुर, जालंधर, जमशेदपुर, कुरुक्षेत्र, नागपुर, राउरकेला, सिल्चर, कर्नाटक, वारंगल, श्रीनगर, सूरत, तिरुचिरापल्ली, पटना, रायपुर, अगरतला, अरुणाचलप्रदेश, दिल्ली, गोवा, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पुडुचेरी, सिक्किम, उत्तराखंड, आंध्रप्रदेश।

Dr. Mukesh Pancholi

Indian Information Technology Institutes (IIIT's) (भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान) –

IIITs भारत में सूचना प्रौद्योगिकी केंद्रित उच्च शिक्षण संस्थान है। कुल वर्तमान संख्या 25 है, जिसमें से 5 MHRD द्वारा सीधे वित्त पोषित व 20 PPP (सार्वजनिक निजी भागीदारी) (50 : 35 : 15 = केन्द्र : राज्य : निजी) मॉडल पर स्थापित किए गए है।

अधिनियम –

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी विधेयक, 2013 को लोकसभा में पेश। इस विधेयक में 4 IIIT जो कि 2010 से पहले स्थापित (ग्वालियर, इलाहाबाद, जबलपुर, कांचीपुरम) को राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थानों की स्थिति प्रदान करने की मांग की गई।

Dr. Mukesh Pancholi

1 दिसम्बर, 2014 को संसद द्वारा पारित किया गया (काफी बहस व परिवर्तनों के बाद)

8 जनवरी, 2014 को IIIT Act, 2014 के रूप में प्रकाशित हुआ व 5 जनवरी, 2015 से प्रभावी हुआ।

वर्तमान संस्थान –

- ग्वालियर संस्थान – 1997 (अटल बिहारी वाजपेयी IIIT, ग्वालियर)
- इलाहाबाद – 1999
- जबलपुर (MP) – 2005
- कांचीपुरम् – 2007
- कुरनूल – 2015

ये 5 संस्थान MHRD द्वारा प्रत्यक्ष वित्त पोषित है।

Dr. Mukesh Pancholi

- **वर्तमान में PPP आधारित IIIT –** श्रीसिटी, गुवाहाटी, वडोदरा, कोटा, तिरुचिरापल्ली, ऊना, सोनीपत, कल्याणी, लखनऊ, धारवाड़, कोट्टायम, मणिपुर, नागपुर, पुणे, रांची, सूरत, भोपाल, भागलपुर, रायपुर (2019), अगरलता (2019) = कुल 20
- 9 Aug. 2017 को IIIT Act, 2017 (PPP) को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया है, जिसके तहत् वडोदरा, गुवाहाटी, श्रीसिटी, कोटा, तिरुचिरापल्ली, कल्याणी, ऊना, सोनीपत, लखनऊ, कोट्टायम, मणिपुर, धारवाड़, पुणे, नागपुर, रांची – 15 (PPP) आधारित IIITs को राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान घोषित किये गए है।

Dr. Mukesh Pancholi

NITTTRs (National Institute of Technical Teachers Training & Research) (राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण व अनुसंधान संस्थान) –

भारत में इंजीनियरिंग शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए वर्ष 1964 में भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय तकनीकी प्रशिक्षण व अनुसंधान संस्थान (NITTTR) चेन्नई को एक स्वायत्त संस्थान के रूप में स्थापित किया गया था।

इसका मुख्य उद्देश्य मानव आधारित विकास कार्यक्रमों की आवश्यकता की पेशकश करने पाठ्यक्रम व अनुदेशनात्मक संसाधनों को विकसित करने के लिए पहल करना है।

Dr. Mukesh Pancholi

यह इंजीनियरिंग शिक्षा में अनुशासनात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देता है और बड़े पैमाने पर इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्नीकल, व्यावसायिक, कॉलेजों, उद्योग आदि के लिए परामर्श व विस्तार सेवाएं भी प्रदान करता है।

वर्तमान निदेशक – डॉ. सुधींद्र नाथ पांडा

वर्तमान अध्यक्ष – प्रो. वी. एस. एस. कुमार

स्थापना – 1960 के दशक में चारों

कुल संस्थान – भोपाल (1967), चंडीगढ़ (1967), चेन्नई (1964), कोलकत्ता (1965)

Dr. Mukesh Panchal

Indian Institute of Science Education & Research (IISER) (भारतीय विज्ञान शिक्षा व अनुसंधान संस्थान) –

भारतीय विज्ञान शिक्षा व अनुसंधान संस्थान (IISER) भारत में प्रमुख सार्वजनिक अनुसंधान संस्थानों का एक समूह है। MHRD के माध्यम से भारत सरकार द्वारा संस्थान स्थापित किए गए थे, जो स्नातक स्तर पर अति आधुनिक अनुसंधान के साथ मिलकर बुनियादी विज्ञानों में गुणवत्तापूर्ण महाविद्यालयी शिक्षा प्रदान करते है।

Dr. Mukesh Pancholi

संस्थानों को औपचारिक रूप से भारत की संसद द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी, विज्ञान शिक्षा व अनुसंधान (संशोधन) अधिनियम, 2010 (2007 एक्ट में संशो.) के माध्यम से स्थापित किया गया।

देशभर में वर्तमान में 7 IISER है, जिसमें कोलकत्ता, पुणे, मोहाली, भोपाल, तिरुवनंतपुरम्, तिरुपति, बेहारमपुर (ओडिशा) है।

भारत की संसद द्वारा 2012 में सभी IISER को राष्ट्रीय महत्त्व का संस्थान घोषित किया गया।

Dr. Mukesh Panchol